



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अनोखी धाम सेवा समिति द्वारा 10 जुलाई को पत्रकार कॉलोनी (मानसरोवर) के अनोखी धाम (श्री हनुमंत स्वरूप नीब करौरी महाराज) में आयोजित होने वाले गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पोस्टर का बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर विमोचन किया। इस दौरान अनोखी धाम सेवा समिति के अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद रहे।

भीलवाड़ा जिले के सबसे बड़े मेजा बाँध में 10 फीट पानी आया

भीलवाड़ा, 02 जुलाई, (निसं)। जिलेभर में बुधवार को कभी रिमझिम तो कभी मूसलाधार बारिश का दौर दिनभर जारी रहा।

शहर की निचली बस्तियों, अप्परब्रिज व बस स्टेण्ड मार्ग सहित कई मार्गों में पानी भरा होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। मांडल क्षेत्र के सबसे बड़े मेजा बांध में भी बारिश से पानी की आवक लगातार जारी है। भीलवाड़ा जिले के इस सबसे बड़े बांध में अब तक 10 फीट पानी पहुंच चुका है, बागीर क्षेत्र में सुबह से ही बारिश के कारण और अधिक पानी की आवक की संभावनाएं बताई जा रही है।

मानसून की पहली जोरदार बारिश ने नगर निगम और यूआइटी की पोल खोलकर रख दी। भीलवाड़ा के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भर गया। दूसरी ओर मेजा बांध का जलस्तर बढ़ा है।

बारिश से पुलिस लाइन, यूआइटी के सामने, यातायात पुलिस चौकी, रामधाम के सामने, चन्द्रशेखर आजाद नगर सहित, शहर के सभी अप्परभाग में पानी भर गया, जिससे लोगों को चपटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। इस मौसम की पहली जोरदार बारिश से रोडवेज बस स्टेण्ड से रामस्नेही अस्पताल के बाहर तक तीन फीट पानी भर गया और बस स्टेण्ड के आस-पास बनी कथितों व नाले फोन बातचीत की कई जगह आधा फुट तक पानी भरा हुआ है।

नगर निगम और यूआइटी की लापरवाही से शहर में कई जगह सड़कें

मूसलाधार वर्षा से भीलवाड़ा शहर के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भरा

- ग्रामीण क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में छत से टपकता पानी बिजली बोर्ड पर गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। बच्चों को बिजली के झटके लगने लगे, प्रिंसिपल ने तुरंत कार्यवाही कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

दुकानों और मकानों से ऊंची हो गई हैं जिस कारण मकानों और दुकानों में पानी घुसने लगा है। शहर में कई स्थानों पर तेज आंधी-तूफान के कारण करीब तीन घण्टे बिजली गुल रही जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जिले के मांडल में मानसून एक बार फिर मेहरबान हुआ है। सुबह से ही बारिश का दौर शुरू हुआ, जो देर शाम तक जारी है। लगातार बारिश के कारण हाइवे पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

भीलवाड़ा की रायला उस तहसील

के बैरा ग्राम पंचायत के राजस्व गांव इंदिरा कालोनी राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बुधवार सुबह जैसे ही बारिश शुरू हुई तो छत टपकने लगी, इस समय विद्यालय के कमरों में बच्चे मौजूद थे। धीरे-धीरे बिजली बोर्ड पर पानी गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। दीवारों के पास बैठे बच्चों को बिजली के झटके लगने से हो-हल्ला मच गया।

प्रिंसिपल ज्योति जांगिड़ दौड़कर आई और सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और ग्रामवासियों को सूचना दी, तुरंत लाइट को बंद करवा कर अधिकारियों को सूचना दी गई। अधिकारियों ने तत्काल बिजली का कनेक्शन काट दिया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

राहुल गांधी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में सार्वजनिक निर्माण विभाग संभाल रहे है।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जो राहुल गांधी की कार्यशैली और राजनीतिक सोच से परिचित हैं, ने बताया कि इससे पार्टी में भारी अटकलों का दौर चल पड़ा है।

और भी रोचक बात यह है कि इन नेताओं का कद जितना बढ़ा है, कांग्रेस की स्थिति उतनी ही कमजोर होती गई है। “एक पद, एक व्यक्ति” का सिद्धांत राहुल गांधी के करीबी नेताओं पर लागू नहीं होता।

जैसे, कृष्णा अल्लुवेरा बिहार जैसे अहम चुनावी राज्य के प्रभाी है और साथ

ही युवा कांग्रेस के भी प्रभाी है।

अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग नियम लागू हो रहे हैं।

एक बंद दरवाजे वाली व्यवस्था बना दी गई है, जिसमें कुछ खास लोगों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है, भले ही उन्होंने पार्टी को ऊपर उठाने में कोई ठोस योगदान न दिया हो।

भंवर जितेंद्र सिंह हर उस राज्य में असफल रहे, जहां उन्हें जिम्मेदारी दी गई, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार पदेन्नत किया जा रहा है।

राहुल गांधी को इन सवालों के जवाब देने होंगे, खासकर उनकी कोर टीम के कई सदस्यों के प्रदर्शन को लेकर।

सरकार ने आपदा अलर्ट सिस्टम शुरू किया

नई दिल्ली, 02 जुलाई। अगर आने वाले दिनों में आपके मोबाइल में भी कोई अलर्ट का मैसेज आए, जिसमें लिखा हो कि ये एक टैस्ट मैसेज है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ये मैसेज भारत सरकार के टेलीकॉम मंत्रालय की एक तैयारी का हिस्सा है, ताकि सरकार समय रहते आम लोगों को किसी आपदा या इमर्जेंसी की सूचना लोगों तक पहुंचा सके। दूरसंचार विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मिलकर देशभर में मोबाइल

- सिस्टम की टैस्टिंग शुरू हो गई है, सभी के मोबाइल में अलर्ट भेजा जा रहा है, पर इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

के ज़रिए अलर्ट सिस्टम को मजबूत बना रहे हैं। हाल ही, में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक नया इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम (सचेत) शुरू किया है, जिसे सी-डीओटी ने तैयार किया है। इस सिस्टम को इंटरनेशनल टेलिकॉम यूनियन की गाइडलाइन के हिसाब से बनाया गया है। इसे देश के सभी 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा चुका है।

‘नास्तिक साम्यवादी पार्टी... तीन साल तक चले युद्ध के बाद, अंततः रूस को मिली एक बड़ी सफलता

मॉस्को/कीव, 02 जुलाई। यूक्रेन के कब्जे वाले लुगान्स्क क्षेत्र में रूस की ओर से नियुक्त एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मॉस्को की सेनाओं ने पूरे क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। यह उन चार इलाकों में से एक है, जिसे रूस ने सितंबर 2022 में यूक्रेन से अवैध रूप से हड़प लिया था। हालांकि, अब तक इन इलाकों में से एक पर भी रूस का पूरा नियंत्रण नहीं था। अगर मामले की पुष्टि होती है तो

बल्कि तिब्बती जनता की धार्मिक संप्रभुता को भी पुनः स्थापित करती है। वर्षों से दलाई लामा व चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच विवाद चला आ रहा है कि अगला दलाई लामा कौन होगा।

पूर्व में वर्तमान दलाई लामा ने तिब्बत के एक सुदूर गांव के पांच वर्षीय बालक को दलाई लामा का अवतार घोषित किया था। लेकिन जैसे ही उसका नाम सार्वजनिक हुआ, चीनी अधिकारियों ने उसे अगवा कर लिया, और उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। उस घटना के बाद दलाई लामा ने कहा कि अगला अवतार “मुक्त विश्व” में होगा और समय आने पर वह प्रकट किया जाएगा। बाद में उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि शापद वे अंतिम दलाई लामा हों, जिसे बीजिंग के लिए शांति के संकेत के रूप में देखा गया था। दलाई लामा ने अब तिब्बती लोगों व उनके धर्म पर नियंत्रण के चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के दावे पर प्रहार किया है। उन्होंने दो टुक शब्दों में कहा है कि नास्तिक कम्युनिस्ट पार्टी को यह अधिकार नहीं है कि वह तिब्बती लोगों के लिए आध्यात्मिक नेता नियुक्त करे।

यह विवाद भारत को भी अप्रत्यक्ष रूप से लपेट सकता है। क्योंकि चीन को यह बात खलती है कि भारत ने अभी भी दलाई लामा को शरण दे रखी है और उन्हें तिब्बती जनता पर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रभाव

ओला, ऊबर, रेपिडो को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति

नयी दिल्ली, 02 जुलाई। सरकार ने ओला, उबर, रैपिडो जैसी सभी कैब सेवाओं को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति दी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2025 के लिए एक जुलाई को जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देशिका में इस आशय की अनुमति प्रदान की है। राज्य सरकारों इसके आधार पर अपने नियम अलग बना सकती हैं और इसके लिए उन्हें तीन महीने का समय दिया गया है। नये दिशा-निर्देशों के अनुसार, एग्रीगेटर को गैर-व्यस्त समय के दौरान बेस किराया से कम से कम 50 प्रतिशत कम चार्ज करना आवश्यक है। अब ये कैब एग्रीगेटरों से पीक टाइम में बेस किराये का दोगुना तक किराया वसूल सकते हैं।

संभाग में भारी वर्षा के कारण कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी

चंबल पर बने सभी बाँधों से पानी लगातार छोड़ा जा रहा है, नदी-नाले उफान पर



कोटा संभाग में भारी वर्षा के बाद कोटा बैराज के 5 गेट खोल कर पानी की निकासी की गई।

कोटा, (निसं), 02 जुलाई। संभाग के चारों जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हालात बिगड़ने लगे हैं। बीती रात तेज बारिश के बाद कई शहरों और कस्बों की निचली बस्तियों में पानी भर गया। इससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर नदी-नाले उफान पर हैं और चंबल से जुड़े बांधों से बड़े स्तर पर पानी छोड़ा जा रहा है।

हालात को देखते हुए कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी किया गया है। इस साल के शुरू से ही चंबल नदी पर बने बांधों से पानी की निकासी जारी है। बुधवार को राणा प्रताप सागर बांध के गेट पहली बार खोले गए। डैम में 1.25 लाख क्यूसेक पानी का इन्फ्लो है ऐसे

- राणा प्रताप सागर बाँध से 39 हजार क्यूसेक, जवाहर सागर बाँध से 51 हजार क्यूसेक व कोटा बैराज से 75 हजार क्यूसेक पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। केवल गांधी सागर बाँध में अभी 22.65 फीट पानी आना बाकी है।

में 33 हजार क्यूसेक पानी गेट से और 6100 क्यूसेक पानी मशीन से छोड़ा गया। यानी कुल 39 हजार क्यूसेक की निकासी हो रही है। डैम लगभग 98.30 प्रतिशत भर चुका है। इसकी क्षमता 1157.50 फीट है और इस समय जलस्तर 1156.56 फीट पहुंच चुका है। इसी तरह जवाहर सागर डैम से भी कुल 63,276 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

जल संसाधन विभाग के फ्लड कंट्रोल रूम की प्रभाी सहायक अभियंता निकिता पारेता ने बताया कि कोटा बैराज से भी 75,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बैराज की क्षमता 854 फीट है जिसे फिलहाल 852 फीट पर मंटेन किया गया है। कोटा बैराज के पांच गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। आरएमसी कैनाल में 15 और एलएमसी कैनाल में 50 क्यूसेक पानी

छोड़ा जा रहा है। निकिता पारेता ने बताया कि निकासी की मात्रा मौसम के अनुसार बढ़ाई भी जा सकती है।

हाड़ौती के दूसरे बांध, कालीसिंध नदी के भीमसागर डैम से 9270 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसी तरह उजाड़ नदी पर स्थित भीम सागर डैम से 1100 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गांधी सागर बांध का फुल गेज 1312 फिट है लेकिन वर्तमान में यह 1289.35 फीट ही भरा हुआ है। ऐसे में अभी उसमें काफी पानी आना शेष है। गांधी सागर डैम की क्षमता 7164.95 मिलियन क्यूबिक मीटर है वर्तमान में उसमें पानी 3607.35 एमसीएम है, फिलहाल वह आधा खाली है।

इंडिया ब्लॉक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग के उस नए निर्देश का भी विरोध किया, जिसमें कहा गया है कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आयोग के दफ्तर में प्रवेश कर सकते हैं। सिंघवी ने कहा, पहली बार हमें चुनाव आयोग में प्रवेश के नियम बताए गए। पहली बार कहा गया कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आ सकते हैं। इस तरह की पाबंदी से आयोग और राजनीतिक दलों के बीच जरूरी संवाद नहीं हो पाएगा।

बांग्लादेश की पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना को 6 माह की जेल

ढाका, 02 जुलाई। निर्वासन के बाद भारत में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने अदालत की अवमानना के लिए बुधवार को छह महीने जेल की सजा सुनाई।

‘हेली स्टर’ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा

- अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायाधिकरण ने अदालत की अवमानना के आरोप में यह सज़ा सुनाई है।

मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष सोशल मीडिया पर प्रसारित हसीना से जुड़ी कथित लीक फोन बातचीत की समीक्षा करने के बाद आज यह आदेश पारित किया।

ऑडियो क्लिप में हसीना कथित तौर पर गोविंदगंज उपजिला के पूर्व

अध्यक्ष शकील अकांदा बुलबुल से कहती सुनाई दे रही है। मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज हैं, इसलिए मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। न्यायाधिकरण ने इस बयान को अवमाननापूर्ण और अदालत को कमजोर करने का सीधा प्रयास माना। गैर्बांधा के गोविंदगंज से आवामी लीग

के छात्र सहयोगी प्रतिबंधित छात्र लीग के नेता बुलबुल को उनकी भूमिका के लिए दो महीने जेल की सजा सुनाई गई है। न्यायाधिकरण के सूत्रों के अनुसार, सजा तभी प्रभावी होगी, जब दोषी अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर देंगे या कानून प्रवर्तकों द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

रोस्टर्स के साथ ही, दस्तावेज का भाग प्रत्येक पद के लिए इनिशियल आरक्षण रजिस्टर भी प्रस्तुत करता है, जो यह दिखाता है कि किस पद पर किस श्रेणी का व्यक्ति नियुक्त हुआ है। ये रजिस्टर अद्यतन दस्तावेज के रूप में कार्य करेंगे और हर भीतरी चक्र में अपडेट किए जाएंगे।

24 जून को जारी परिपत्र सुप्रीम कोर्ट के सभी कर्मचारियों और

रजिस्ट्रारों को भेजा गया है, जिसमें कर्मचारियों को “सुपनैट” (कोर्ट की आंतरिक नेटवर्क प्रणाली) पर अपलोडेड आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर देखने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी कर्मचारी को सूची में कोई त्रुटि या आपत्ति हो, तो उसे रजिस्ट्रार (भर्ती) को औपचारिक शिकायत के तौर का प्रावधान रखा गया है, जिससे उनकी शिकायत का समाधान हो सके।

रिजर्वेशन रोस्टर के अलावा, सर्वोच्च न्यायालय के सभी कर्मचारियों को भेजे गये संकुलर में लिखा गया है : “सक्षम प्राधिकारों के निर्देशानुसार, सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि माॅडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर “सुपनैट” पर अपलोड कर दिए गए हैं और ये 23.06.2025 से प्रभावी हैं।”

आला, ऊबर, रेपिडो को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति

नयी दिल्ली, 02 जुलाई। सरकार ने ओला, उबर, रैपिडो जैसी सभी कैब सेवाओं को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति दी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2025 के लिए एक जुलाई को जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देशिका में इस आशय की अनुमति प्रदान की है। राज्य सरकारों इसके आधार पर अपने नियम अलग बना सकती हैं और इसके लिए उन्हें तीन महीने का समय दिया गया है। नये दिशा-निर्देशों के अनुसार, एग्रीगेटर को गैर-व्यस्त समय के दौरान बेस किराया से कम से कम 50 प्रतिशत कम चार्ज करना आवश्यक है। अब ये कैब एग्रीगेटरों से पीक टाइम में बेस किराये का दोगुना तक किराया वसूल सकते हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार बैठक में, भाजपा और संघ के बीच मोदी के नेतृत्व के दौरान निरंतर बिगड़ते संबंधों पर भी खुलकर चर्चा होगी।

एक वरिष्ठ संघ पदाधिकारी ने नाम नहीं बताते की शर्त पर बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों की आंतरिक समीक्षा ने संघ नेतृत्व को “गंभीर रूप से निराश किया है।” भले ही भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए फिर से सत्ता में आया, लेकिन भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला और मोदी की व्यक्तिगत छवि को भी आघात पहुंचा। सूत्र ने कहा, “हमने दो कार्यकालों तक मोदी का पूरा समर्थन किया, लेकिन अब मूल कार्यकर्ताओं और पारंपरिक समर्थकों के बीच बढ़ती नाराजगी को अनदेखा नहीं किया जा सकता।”

- संघ परिवार भी चौंराहे पर खड़ा है और दुविधा में है। एक तरफ उस नेता के प्रति वफादारी का सवाल है, जो चुनाव की दृष्टि से सबसे सफल नेता साबित हुआ है तथा दूसरी ओर सवाल है, पार्टी में “आइडियोलॉजिकल व संगठनात्मक” संतुलन बँठाने का, 2029 के चुनाव से पहले।

संघ के भीतर यह धारणा बढ रही है कि भाजपा में शक्ति के अत्यधिक केंद्रीकरण, जो अब लगभग पूरी तरह मोदी-शाह तक सीमित है, ने जमीनी कार्यकर्ताओं और वैचारिक निष्ठावान लोगों को हाशिए पर धकेल दिया है। संघ के कई सदस्यों का मानना है कि हाल की राज्य स्तर की नियुक्तियों संगठनात्मक योग्यता या वैचारिक प्रतिबद्धता के बजाय केवल मोदी के प्रति व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर की गई हैं।

यह असंतोष केवल वैचारिक नहीं है। कुछ प्रचारकों का मानना है कि आंतरिक लोकतंत्र के क्षरण और वैचारिक मूल्यों की अनदेखी ने भाजपा को कुछ प्रमुख राज्यों में चुनावी नुकसान पहुंचाया है। संघ के भीतर “नीति में सुधार” की चर्चाएं अब भीतर पकड़ने लगी हैं, विशेषकर ऐसे समय में जब संगठन अपनी शताब्दी वर्ष की तैयारी कर रहा है, जिसे कई लोग भाजपा

के साथ संबंधों की रणनीतिक पुनर्समीक्षा के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि आरएसएस और मोदी-शाह नेतृत्व इस आंतरिक संकट को कैसे संभालते हैं। भले ही खुले टकराव की संभावना कम हो, लेकिन आने वाले महीनों में संदेशों, नियुक्तियों और चुनावी रणनीतियों में बदलाव इस दिशा का संकेत दे सकते हैं।

फिलहाल, संघ परिवार एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ वह अपने सबसे सफल चुनावी नेतृत्व के प्रति वफादारी और 2029 के आम चुनावों से पहले संगठनात्मक व वैचारिक संतुलन बहाल करने की आवश्यकता के बची फंसा हुआ है।